THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA): (a) and (b) Adjustments in fares has become unavoidable keeping in view the increase in input costs and also the need for generation of additional resources to finance Development plans. Amenities to passengers of all classes are provided according to the norms laid down.

उत्तर प्रदेश में मीटर गेज लाइनों को बड़ी लाइनों में बदला जाना

4301. श्री मुहम्मद मसूद खान :
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए कार्यवाही योजना का प्रथम चरण किस वर्ष से प्रारंभ होकर किस वर्ष तक पूरा हो जाने की संभावना है तथा इसकी प्राथमिकता के मापदंड क्या होंगे;

(ख) कार्यवाही योजना के प्रथम चरण में शामिल पूर्वोत्तर रेलवे के शाहगंज, आजमगढ़ मऊ में उपर्युक्त मापदंडों के अनुसार मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का कार्य कब प्रारंभ होगा ;

(ग) क्या उत्तर प्रदेश में आजमगढ़, शाहगंज-मऊ रेलवे लाइन पर फूलपुर, फरिहा, सठियांव रेलवे स्टेशनों का दर्जा विभागीय हाल्ट स्टेशन से बढ़ाकर पूर्णरूपेण बी श्रेणी करने संबंधी प्रस्ताव को क्रियान्वित कर दिया गया है जैसा कि कुछ सांसदों द्वारा 18 फरवरी, 1993 तथा 16 मार्च, 1993 को लिखे गए पत्रों में मांग की गई थी तथा जिनके प्रत्युत्तर में मंत्री ने उपर्युक्त तीनों स्टेशनों का दर्जा बढ़ाकर बी श्रेणी करने का आदेश जारी किया था ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका) : (क) वर्ष 1992-93 में शुरू किया गया था । चरण-1 के 2000-2001 में पूरा होने की संभावना है, बशर्ते कि आगामी वर्षों में संसाधन उपलब्ध हों । तरजीह का आधार विभिन्न लाइनों की पारस्परिक परिचालनिक तथा सामरिक प्राथमिकता है ;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ।

(ग) फूलपुर, फरिहा और सठियांव "बी" श्रेणी के स्टेशनों के रूप में कार्य कर रहे हैं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

रेलवे परियोजनायें

4302. श्री कामेश्वर पासवान : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उनके मंत्रालय द्वारा वर्षों पूर्व स्वीकृत बहुत सी परियोजनाओं पर अभी तक कोई कार्य प्रारंभ हुआ है ;

(ख) क्या यह सच है कि इन परियोजनाओं में कुछ तो बिहार से बाहर स्थानान्तरित हो चुकी हैं अथवा स्थानान्तरण की प्रक्रिया में हैं;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा उनका ब्यौरा क्या है ;

(घ) बिहार की इन परियोजनाओं के लिए वर्ष 1993-94 के रेल बजट में कितनी धनराशि का प्रावधान किया गया है और यह कुल खर्च होने वाली राशि का कितना प्रतिशत है ;

(ङ) क्या 1993-94 के रेल बजट में बिहार की किसी नई परियोजना को स्वीकृति देने हेतु कोई प्रावधान किया गया है ; और

(च) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. सी. लेंका) : (क) जी हां ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) बिहार में इन परियोजनाओं के लिए 1993–94 में 54 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है । यह राशि कुल आवंटन का 4.3 प्रतिशत है ।

(ङ) जी हां ।

(च) बिहार में पूर्वोत्तर रेलवे के कर्पूरीग्राम-सिहो खंड का दोहरीकरण 1993–94 के बजट में शुरू किए जाने का प्रस्ताव है । 26.16 कि.मी. लम्बी इस दोहरी लाइन के बिछाने पर 23.61 करोड रुपए की लागत आने का अनुमान है और इसके तीन वर्षों में पूरा हो जाने की संभावना है ।

बलसाड़ से बडौदा के बीच ई. एम. यू. रेल सेवा

4303. श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार बलसाड़ से बडौदा के बीच ई.एम.यू. रेल सेवा शुरू करने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. सी. लेंका) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) पश्चिम रेलवे ने हाल ही में बिरार-बडोदरा-अहमदाबाद के बीच ई. एम.यू. किस्म की सेवाओं को चलाने के लिए अपेक्षित लाइन क्षमता और सुविधाओं की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण पूरा किया है । सर्वेक्षण रिपोर्ट का विश्लेषण कर लेने के बाद और वित्तीय संसाधनों की स्थिति को ध्यान में रखकर ही निर्णय लिया जा सकता है ।

दिल्ली से पटना तथा बरौनी के बीच चलने वाली रेलगाड़ियों में द्वितीय श्रेणी शयनयान

4304. श्री कामेश्वर पासवान : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली से पटना तथा बरौनी के बीच चलने वाली रेलगाड़ियों में द्वितीय श्रेणी के शयनयानों में आरक्षण के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की यात्रा कष्ट कर होती जा रही है जिसका एक कारण ऐसे डिब्बों में बड़ी संख्या में सामान्य यात्रियों का घुस जाना है;

(ख) यदि हां, तो शयनयानों में आरक्षण के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों की असुविधा को दूर करने के लिये रेल विभाग ने क्या उपाय किये हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि अधिकांश डिब्बों में टिकटों की जांच करने अथवा